भोपाल शहर के महाविद्यालय पुस्तकालयों के स्वचालीकरण की स्थितिः एक अध्ययन

डॉ राकेश कुमार खरे
पुस्तकालयाध्यक्ष, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

शोध सारांश

भोपाल शहर के महाविद्यालय मे पुस्तकालयों का बहुत महत्व है जिसके चलते जरूरी है कि पुस्तकालय के पाठकों को अच्छी से अच्छी सेवाएं प्रदान की जाएं। आधुनिक पुस्तकालय विज्ञान, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान कहलाता है। क्योंकि यह केवल पुस्तकों के अर्जन, प्रस्तुतीकरण, वर्गीकरण, प्रसुचीकरण, फलक व्यस्थापन तक ही सीमित नही है। इसके अंतर्गत सूचना की खोज, प्राप्ति, संसाधन, सम्प्रेषण तथा पुनर्प्राप्ति भी सम्मिलित है। अब यह विषय सूचना संचार प्रोद्योगिकी के व्यापक आधार पर व्यवस्थित है। आधुनिक पुस्तकालय अद्यतन सूचना संचार प्रोद्योगिकी का बहुत अच्छा उपयोग कर रहे है। इसी परिपेक्ष मे भोपाल शहर के पुस्तकालयों द्वारा अच्छी से अच्छी सेवाएं प्रदान कराए जाने के लिए जरूरी है कि पुस्तकालय स्वचालित हो और स्वचालित वर्तमान जागरूक सेवा, चयनात्मक प्रसार सेवा, सार सेवा, अनुक्रमणिका सेवा जैसी अधिक से अधिक सेवाएं प्रदान करे।

I प्रस्तावना

(क) पुस्तकालय

पुस्तकालय विकासशील संस्था है क्योंकि उसमें पुस्तकों और अन्य आवश्यक उपादानों की निरंतर वृद्धि होती रहती है। इस कारण इसकी स्थापना के समय ही इस तथ्य पर ध्यान देना आवश्यक होता है। आधुनिक पुस्तकालय विज्ञान पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान कहलाता है। क्योंकि की यह केवल पुस्तकों के अर्जन, प्रस्तुतीकरण, वर्गीकरण, प्रसुचीकरण ,फलक व्यस्थापन तक ही सीमित नही है क्योकि इसके अंतर्गत सूचना की खोज, प्राप्ति, संसाधन, सम्प्रेषण तथा पुनर्प्राप्ति भी सम्मिलित है। अब यह विषय सूचना संचार प्रोद्योगिकी के व्यापक आधार पर व्यवस्थित है. आधुनिक पुस्तकालय अद्यतन सूचना संचार प्रोद्यौगिकी का बहुत अच्छा उपयोग कर रहे हैं

(ख) स्वचालीकरण

आधुनिक पुस्तकालय, पुस्तकालय विज्ञान के नवीन सिद्धान्तों तथा प्रक्रिया का पूर्ण उपयोग कर रहे हैं। जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि पुस्तकालय विज्ञान आज के पुस्तकालयों के परिवर्तित परिवेश में उन सब गतिविधियों में सम्मिलित है जिसमें – सूचना प्रोद्यौगिकी पर आधारित माध्यमों से प्रलेख सूचना संग्रहण, सूचना प्रक्रियाकरण, व् लक्ष्य प्रयोक्ता तक सम्प्रेषण, सूचना की खोज एवं मूल्याकन हेतु प्रोद्यौगिकी का प्रयोग, पुस्तकालय प्रणाली के अनुरूप आवश्यक उपकरणों का प्रयोग, प्रणाली विश्लेषण एवं अभिकल्पन, डेटाबेस का उपयुक्त सॉफ्टवेर के माध्यम से सृजन, इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर सूचनाओं का भण्डारण, पुस्तकालय नेटवर्क द्वारा संघ प्रसुचियों का अभिगम, इन्टरनेट के द्वारा सूचना अभिगम एवं खोज,बाह्य पुस्तकालयों से पुस्तक प्राप्ति हेतु पुस्तकालय नेटवर्क का उपयोग, मुद्रित के स्थान पर डिजिटल सूचनाओं का आदान प्रदान, इन्टरनेट पर आधारित सूचनाओं का संकलन एवं प्रबंधन, प्राप्त सूचनाओं का मूल्यांकन एवं संग्रह को अद्यतन रखना, ई–मेल ,वार्ता फोरम का निरंतर प्रयोग, डिजिटल पुस्तकालय, पुस्तकालय समूह, वेब साईट का सृजन तथा निरंतर अद्यनता , विषय वास्तु प्रबंधन, पुस्तकालय तथा सूचना सेवाओं का विपणन, सूचना साक्षरता का प्रसार, प्रयोक्ता समूह की सूचना आवश्यकता की पहचान, सूचना के सृजन ,संग्रहण, संगठन, पुनर्प्राप्ति तथा प्रसार विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

II उद्देश्य, योजना एवं कार्यविधि

(क) उद्देश्य

इस लेख को इस परिपेक्ष में लिखा गया है कि भोपाल शहर के महाविद्यालय पुस्तकालयों के स्वचालन की क्या स्थिति है और पुस्तकालयों द्वारा कौन कौन सी स्वचालित सेवाएँ प्रदान की जा रही है और पुस्तकालय किन किन क्षेत्रों मे स्वाचालित है। पुस्तकालय पाठकों को जो शैक्षणिक सुविधाएँ पुस्तकालय से मिलनी चाहिए वो मिल पा रहीं है या नहीं जैसेः ई बुक, ई डाटा बेस, पुस्तकालय ओपेक इत्यादि।

(ख) योजना एवं कार्यविधि

प्रस्तुत सर्वे मे भोपाल शहर के 12 महाविद्यालयो के पुस्तकालयों को रेण्डम विधि से लिया गया है। और आकड़ो को एकत्र करने के लिए प्रश्नावली विधि का प्रयोग किया गया है।

III विश्लेषण

इस सर्व कार्य मे भोपाल के 12 महाविद्यालय पुस्तकालयो को चुना गया जिसमे निम्न प्रश्नो की जानकारी एकत्र की गई और उनका विश्लेषण किया गया।

महाविद्यालय पुस्तकालय किस किस क्षेत्र मे स्वाचलित हैं और क्या क्या स्वाचालित सेवाएं प्रदान करा रहे है।

तालिका 1

क्र	विभाग/सेवाएँ	संख्या	प्रतिशत
1.	एक्वीजीशन	2	16.67
2.	सरकुलेशन	3	25
3.	केटेलोगिंग	3	25
4.	सम सामयिकी नियन्त्रण	2	16.67
5.	क्लासिफिकेशन	2	16.67
6.	स्वाचालित सेवाएं	6	50
7.	ई डाटा बेस	4	33.34

IV निष्कर्ष एवं सुझाव

(क) निष्कर्ष

सर्वेक्षण करते समय मुख्यतः यह देखा गया कि स्वचालन की क्या स्थिति है। किस किस क्षेत्र मे स्वचालित है और कितने प्रतिशत सेवाएं स्वचालित है। जो इरा प्रकार है।

(i) **स्वचालन की स्थितिः** 16.67 प्रतिशत पुस्तकालय पूर्ण स्वचालित है जबकी 83.34 प्रतिशत पुस्तकालय आंशिक स्वचालित है।

(ii) **स्वचालन का क्षेत्रः** आदान प्रदान विभाग 25 प्रतिशत, सूचीकरण विभाग 25 प्रतिशत, वर्गीकरण विभाग 16.67 प्रतिशत, अधिग्रहण विभाग 16.67 प्रतिशत, समसामयिकी विभाग 16. 67 प्रतिशत।

(iii) **स्वचालित सेवाएंः** 50 प्रतिशत पुस्तकालय स्वचालित सेवाएं प्रदान कर रहे है। वहीं 50 प्रतिशत पुस्तकालय स्वचालित सेवाएं प्रदान नही कर रहे है।

(iv) **डाटा बेसः** 33.34 प्रतिशत महाविद्यालय पुस्तकालय ई डाटा बेस कि सुविधा प्रदान करा रहे है।

(ख) सुझाव

सर्वेक्षण मे अनुभव की गई समस्याओं तथा अवलोकनों के पश्चात् कुछ सुझाव प्रतिपादित किये गये, जो इस प्रकार हैं :–

(i) नियमित कर्मचारियों की व्यवस्था की जाना चाहिए।

(ii) पुस्तकालीन स्टाफ को प्रशिक्षित करने के लिए समय–समय पर शिक्षण शिविरों का आयोजन विश्वविद्यालयीन स्तर पर किया जाना चाहिए।

(iii) महाविद्यालय पुस्तकालय के लिए नियमित तकनीक स्टाफ की व्यवस्था होना चाहिए।

(iv) महाविद्यालय पुस्तकालयों मे वार्षिक बजट निर्मित व लागू किया जाए।

(v) महाविद्यालय पुस्तकालयों में टीम वर्क से कार्य किया जाना चाहिए।

(vi) महाविद्यालय पुस्तकालयों में कर्मचारियों के आने–जाने पर एवं निर्धारित स्थान पर उपस्थित होने पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।

(vii) संसाधनों के अभाव को दूर करने के लिए लाइब्रेरियन एवं संस्था प्रधान को आपस में मिलजुलकर सहयोगपूर्वक कार्य करना चाहिए।

(viii) महाविद्यालय पुस्तकालयों के संरक्षण, विकास एवं समृद्धि हेतु कुछ नये कदम उठाये जाने की अत्यंत आवश्यकता है।

संदर्भ सूची

[1] सिंह, शंकर, सूचना संचार प्रोद्योगिकी एवं ग्रंथालय, दिल्ली, पूर्वांचल प्रकाशन, 2010

[2] सिंह, शंकर, सूचना प्रोद्योगिकी और पुस्तकालय, नई दिल्ली, एस एस पब्लिशर्स, 2005

[3] सिंह, शंकर, सूचना संचार प्रोद्योगिकी और पुस्तकालय, नई दिल्ली, एस एस पब्लिशर्स, 2011

[4] रंगनाथन, एस. आर., प्रोडक्टीविटी एण्ड पार्टनरशीप इन यूनीवर्सिटी एजूकेशन, 1968

[5] दयावंत दशोरकर, एम. फिल. थीसिस, आईसेक्ट वि. वि., राएसेन.

[6] रंगनाथन, एस. आर., इज देयर अ लायब्रेरी प्रोफेशन, 1968

[7] इज देयर अ लायब्रेरी प्रोफेशन – टेक्नीक आफ इन्फोरमेशन रिट्रीवल